B.A - III
Psy (H)
Paper - VI

Date 16.9.20

कार्यतुष्टि को उन्नत बनाने की विधि-
(Methods of Improving job satisfaction.

कार्यतुष्टि को उन्नत बनाने के लिए तीन तरह के कारकों को मजबूत बनाने की आवश्यकता पर मनोवैज्ञानिकों द्वारा बल डाला गया है। ये तीन कारक हैं- व्यक्तिगत कारक, कार्य में निहित कारक तथा प्रबंधकों द्वारा नियंत्रित कारक। कार्यतुष्टि को उन्नत बनाने में इन तीनों कारकों की भूमिकाओं का वर्णन निम्नांकित है -

(a) कार्यतुष्टि को उन्नत बनाने में व्यक्तिगत कारकों की भूमिका - कर्मचारियों में कार्यतुष्टि का उत्पन्न होना व्यक्तिगत कारकों यथा उम्र, यौन, शिक्षा, बुद्धि व्यक्तिगत शीलगुण आदि पर काफी निर्भर करता है। ये कारक ऐसे हैं जिसे जिन्हें प्रबंधक बदल तो नहीं सकते हैं, परंतु इन कारकों के मद्देनजर रखकर यदि वे कर्मचारी को किसी पद पर रखते हैं तो इससे उसमें कार्यतृप्ति निश्चित रूप से बढ़ जाएगी।

(b) कार्य में निहित कारक- उद्योगपतियों को को उद्योग का ऐसा स्थान चयन करना चाहिये जहाँ कर्मचारियों को अधिकतम सुविधा हो।

उद्योग का कार्यस्थल बहुत बड़ा शहर न होकर मध्यम श्रेणी का शहर हो जिसके कारण कर्मचारियों में कार्यसंतुष्टि अधिक होगी।

(c) प्रबंधक द्वारा नियंत्रित कारक- कार्यतृप्ति को उन्नत बनाने के लिए यह आवश्यक है कि इन कारकों पर विशेष ध्यान दिया जाय जिनका नियंत्रण प्रबंधक द्वारा सीधे होता है। इन कारकों में सुरक्षा, वेतन एवं संबंधित वित्तीय सुविधा तथा पदोन्नति आदि प्रमुख है। प्रबंधकों को चाहिए कि वे अपने उद्योग या संगठनों में काम करने वाले कर्मचारियों को हर तरह से पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करें। इससे कर्मचारियों का मनोबल बढ़ता है और उनमें कार्यतुष्टि की मात्रा भी बढ़ जाती है। कंपनी की पदोन्नति की नीतियां स्पष्ट घोषित होनी चाहिये। इन नीतियों में पक्षपात आदि का गुण नहीं होना चाहिये एवं वस्तुनिष्ठ कसौटी के आधार पर पदोन्नति के मामले को निबटाना चाहिये। कंपनी को यह पूर्णतः आश्वस्त करना चाहिये कि वे कर्मचारियों की पदोन्नति योग्यता या वरीयता के आधार पर करेगी। प्रबंधकों को कर्मचारियों के स्थानांतरण पर भी उदारतापूर्वक विचार करना चाहिये।